एम. कॉम

प्रथम सत्र

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. कॉम)

प्रथम सत्र

सत्रीय कार्य

2026

जनवरी 2026 तथा जुलाई 2026 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – **1100 68**

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

प्रथम सत्र

सत्रीय कार्य - 2026

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जनवरी 2026 और जुलाई 2026)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जनवरी 2026** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2026** है।

2. जो **जुलाई 2026** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2026** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 अक्टूबर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -05**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**प्रबंधकीय निर्णयों के लिए लेखांकन**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -05/टी. एम. ए./ 2026**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक :100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (क) लेखांकन प्रथाओं का मानकीकरण क्यों आवश्यक है? भारत में लेखांकन के मानकीकरण के क्षेत्र में अब तक क्या प्रगति हुई है? (10+10)

(ख) किसी विनिर्माण कंपनी के लागत अभिलेखों से वर्ष 2002 के लिए निम्न आंकड़े प्राप्त हुए हैं:

सामग्री की लागत – 1,20,000 रुपये

प्रत्यक्ष श्रम (डायरेक्ट लेबर) मजदूरी – 1,00,000 रुपये

फैक्टरी ओवरहेड – 60,000 रुपये

वितरण व्यय – 28,000 रुपये

प्रशासनिक व्यय – 67,200 रुपये

विक्रय व्यय – 44,800 रुपये

लाभ – 84,000 रुपये

वर्ष 2003 में एक कार्य-आदेश (वर्क ऑर्डर) पूरा किया गया, जिसके लिए निम्न व्यय हुए:

- सामग्री की लागत – 16,000 रुपये
- श्रम मजदूरी – 10,000 रुपये

यह मानते हुए कि 2003 में फैक्टरी ओवरहेड की दर में 20% की वृद्धि हुई, वितरण व्यय में 10% की कमी हुई तथा विक्रय तथा प्रशासनिक व्यय में 12.5% की वृद्धि हुई, उत्पाद का ऐसा विक्रय मूल्य क्या होना चाहिए कि 2002 की तरह ही विक्रय मूल्य पर लाभ की समान दर प्राप्त हो? पूर्ण गणनाएँ दिखाइए। फैक्टरी ओवरहेड प्रत्यक्ष मजदूरी के आधार पर तथा प्रशासनिक, विक्रय और वितरण व्यय फैक्टरी लागत के आधार पर लगाए जाते हैं।

2. (क) वित्तीय विवरण (Financial Statements) क्या होते हैं? निर्णय-निर्धारण (Decision - Making) के उद्देश्य से ये किस प्रकार उपयोगी हैं? (10+10)

(ख) जब हमें किसी अवधि के वास्तविक परिणाम ज्ञात हो जाते हैं, तब भी लेखाकार उसी अवधि के लिए बजट क्यों तैयार करते हैं? स्पष्ट कीजिए।

3. निम्न विवरणों से लीवरेज अनुपात (Leverage Ratios) की गणना कीजिए: (20)

देयताएँ (Liabilities)	**राशि (रु.)**	**परिसंपत्तियाँ (Assets)**	**राशि (रु.)**
इक्विटी शेयर पूँजी	40,000	भूमि	22,000
8% वरीयता शेयर पूँजी	20,000	भवन	24,000
आरक्षित निधि	10,000	संयंत्र एवं मशीनरी	38,000
लाभ एवं हानि खाता	5,000	फर्नीचर	5,000
10% ऋणपत्र (डिबेंचर)	45,000	देनदार / सन्ड्री देब्टर्स	22,000
व्यापार देनदार (ट्रेड क्रेडिटर्स)	9,000	भंडार (स्टॉक)	13,000
बकाया व्यय	2,000	नकद	14,000
कर हेतु प्रावधान	3,000	पूर्वभुक्त व्यय (प्रीपेड)	2,000
प्रस्तावित लाभांश	6,000		
कुल	1,40,000	**कुल**	1,40,000

4. (क) "मानक लागतिंग" (Standard Costing) में विभिन्न विचलनों की गणना स्वयं में अंतिम उद्देश्य नहीं है, बल्कि एक साधन मात्र है।" इस कथन पर विचार कीजिए। (10×2) (10+10)

(ख) "फंड्स फ्लो स्टेटमेंट" के "नकद (Cash)" अवधारणा और "कार्यशील पूँजी (Working Capital)" अवधारणा के बीच कुछ मूलभूत अंतर स्पष्ट कीजिए।

5. निम्न के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए: (5×2)

(क) नकद प्रवाह विश्लेषण (Cash Flow Analysis) और फंड प्रवाह विश्लेषण (Fund Flow Analysis)

(ख) मानक लागत निर्धारण (Standard Costing) और बजट निर्धारण / बजटिंग (Budgeting)

6. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (5×2)

(क) उत्तरदायित्व लेखांकन (Responsibility Accounting)

(ख) सीमांत लागत निर्धारण (Marginal Costing) के प्रबंधकीय उपयोग (Managerial Uses of Marginal Costing)